REVIEW OF RESEARCH
IMPACT FACTOR : 5.7631(UIF) UGC APPROVED JOURNAL NO. 48514 ISSN: 2249-894X
VOLUME - 8 | ISSUE - 4 | JANUARY - 2019

हरदोई जनपद में प्रमुख विपणन वस्तुओं के आधार पर विपणन केन्द्रों का वर्गीकरण

डॉ. अमित कनौजिया[1] , अमित सचान[2]
[1]स.अ., बेसिक शिक्षा, जनपद– कन्नौज (उ.प्र.)
[2]एसोसिएट प्रोफेसर, भूगोल विभाग,
पं.सुन्दरलाल मेमोरियल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कन्नौज (उ.प्र.)

प्रस्तावना –

विपणन प्रक्रिया मानवीय सभ्यता के विकास के साथ ही वस्तु विनिमय से आरम्भ हुई। प्रारम्भ में मानव की आवश्यकतायें बहुत ही सीमित थी जिनकी सम्पूर्ति वह वस्तुओं का स्वयं उत्पादन कर अथवा उनके विनिमय से कर लेता था। परन्तु मानवीय आवश्यकताओं में वृद्धि एवं आर्थिक क्रियाकलापों में विशिष्टीकरण के साथ विपणन प्रक्रिया जटिल हो गयी।

भूगोल विषय में विलियम एप्पलबाम द्वारा सर्वप्रथम विपणन क्रियाओं के अध्ययन की आवश्यकता निरूपित की गई थी। अतः इनको विपणन भूगोल का प्रधान शिल्पी कहा जाता है। विपणन केन्द्र विभिन्न प्रकार की सामाजिक–आर्थिक क्रियाओं के केन्द्र बिन्दु होते हैं। वे केवल आर्थिक क्रियाओं को ही निष्पादित नहीं करते वरन् सामाजिक अंतःक्रिया के भी केन्द्र होते हैं। विकासशील एवं पिछड़े क्षेत्रों में विपणन केन्द्रों की भूमिका बहुत प्रभावी है। इन क्षेत्रों में दूर–दराज के ग्रामीण अंचलो में सामाजिक-आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति का माध्यम होने के साथ ही ये विपणन केन्द्र नव्यताओं के प्रसरण केन्द्रों (Diffusion of Innovations) के रूप में भी कार्य करते हैं। अतः इन क्षेत्रों की अर्थव्यवस्था एवं वहाँ के लोगों के जीवन में इनकी एक महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

विपणन केन्द्रों के अध्ययन में वर्गीकरण की संकल्पना महत्वपूर्ण है यहाँ वर्गीकरण से आशय, विपणन केन्द्रों को उनकी विशेषताओं के आधार पर विभिन्न वर्गों में विभाजित करना है। स्मिथ महोदय का मानना है कि तत्वों का वर्गीकरण एवं उनकी समझ एक दूसरे से अन्तर्सम्बन्धित है, क्योंकि किसी भी तत्व के वर्गीकरण से पहले उसकी विशेषताओं और तत्वों के आपसी सम्बन्ध को समझना आवश्यक है, साथ ही वर्गीकरण स्वयं तत्वों को समझने में सहायक होता है।

अध्ययन क्षेत्र–

भौगोलिक दृष्टि से हरदोई जनपद गंगा-गोमती के मध्यवर्ती दोआब में स्थित है। यह सम्पूर्ण क्षेत्र गंगा-यमुना के विशाल मैदान का एक भाग है। जनपद का अक्षांशीय विस्तार 26^0 53′ उत्तर से 27^0 47′ उत्तरी अक्षांश तक तथा देशान्तरीय विस्तार 79^0 41′ पूर्व से 80^0 49′ पूर्वी देशान्तर के मध्य है। हरदोई जनपद के उत्तर में शाहजहाँपुर व लखीमपुर खीरी जनपद, पूर्व में सीतापुर जनपद, दक्षिण-पूर्व में लखनऊ जनपद, दक्षिण में उन्नाव व कानपुर नगर जनपद दक्षिण-पश्चिम में कन्नौज जनपद व पश्चिम में फर्रूखाबाद जनपद स्थित है। जनपद की पूर्वी सीमा गोमती नदी द्वारा निर्धारित होती है जो हरदोई व सीतापुर जनपद के मध्य सीमा रेखा का निर्धारण करती है।

अध्ययन क्षेत्र हरदोई जनपद को 5 तहसीलें शाहाबाद, सवायजपुर, हरदोई, बिलग्राम एवं सण्डीला है। यहाँ 19 विकास खण्ड शाहाबाद, टोडरपुर, पिहानी, हरियावाँ, टडियावाँ, सुरसा, अहिरोरी, बावन, भरखनी, हरपालपुर, साण्डी, बिलग्राम, माधौगंज, मल्लावाँ, कछौना, कोथावाँ, भरावन, सण्डीला, एवं बेंहदर हैं। 2001 की जिला जनगणना पुस्तिका के अनुसार हरदोई जनपद का कुल क्षेत्रफल 5986.00 वर्ग कि0मी0 है जिसमें ग्रामीण क्षेत्रफल 5892.76 वर्ग कि0मी0 और नगरीय क्षेत्रफल 93.24 वर्ग कि0मी0 है। 2001 की जनगणना के अनुसार हरदोई जनपद में 13 नगर एवं 01 जनगणना नगर (सोम) है इनमें हरदोई, शाहाबाद, सण्डीला, मल्लावां, पिहानी, बिलग्राम व साण्डी नगर पालिका परिषद तथा पाली, कछौना पतसेनी, गोपामऊ, माधौगंज, बेनीगंज व कुरसठ नगर पंचायत के अन्तर्गत आते हैं। 2001 की जनगणना के अनुसार कुल जनसंख्या 3398306, जनघनत्व 568, लिंगानुपात 843 व साक्षरता 52.64 प्रतिशत है जबकि 2011 की जनगणना के अनुसार कुल जनसंख्या 4092845, जनघनत्व 684, लिंगानुपात 868 व साक्षरता 64.6 प्रतिशत है (Fig. 1)।

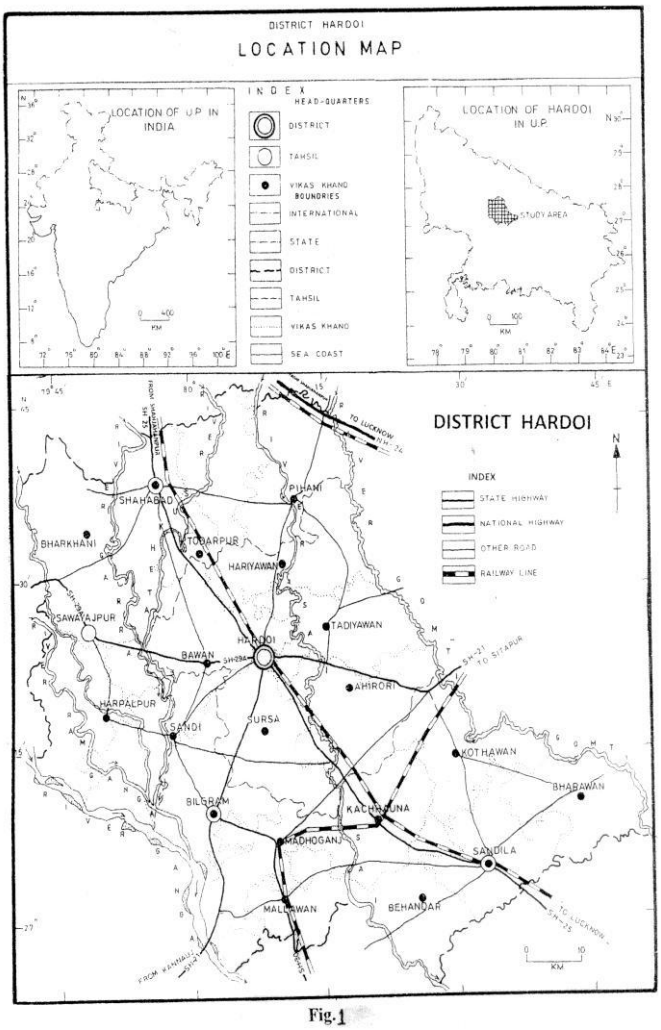

Fig.1

विपणन केन्द्रों का वर्गीकरण :

जनपद के विभिन्न विपणन केन्द्रों के वर्गीकरण हेतु कई पहलुओं पर विचार किया गया है। विपणन केन्द्रों की स्थानीयकरण विशेषतायें, जनसंख्या आकार, तृतीयक क्रियाओं में संलग्न जनसंख्या, लोगों की अनुमानित उपस्थिति, प्रमुख विपणन वस्तुओं, विपणन कार्य एवं विनिमय स्तर, दुकानों की संख्या, आवर्तिता, विपणन कार्य की अवधि, सड़क एवं रेल अभिगम्यता और अनुमानित सेवित क्षेत्र का विस्तार आदि पहलुओं पर विचार किया गया।

विभिन्न विपणन केन्द्रों के वर्गीकरण हेतु कई पहलुओं पर विचार किया गया है। प्रस्तुत शोध पत्र में हरदोई जनपद में प्रमुख विपणन वस्तुओं के आधार पर विपणन केन्द्रों के वर्गीकरण को प्रस्तुत किया गया है।

प्रमुख विपणन वस्तुओं के आधार पर वर्गीकरण :

हरदोई जनपद में कुल ग्रामीण विपणन केन्द्र 294 हैं। साारणी क्रमांक 1 को देखने से स्पष्ट होता है कि अध्ययन क्षेत्र में प्रमुख विपणन वस्तुओं के आधार पर ग्रामीण विपणन केन्द्रों को 03 वर्गों– 3 से कम, 3–5 व 5 से अधिक, में वर्गीकृत किया गया है। कुल ग्रामीण विपणन केन्द्रों में सर्वाधिक 45.2 प्रतिशत (कुल सं0 133) 3–5 व सबसे कम 21.8 प्रतिशत (कुल सं0 64) 5 से अधिक प्रमुख विपणन वस्तुओं के वर्ग का है। 3 से कम प्रमुख विपणन वस्तुओं वाले ग्रामीण विपणन केन्द्र 33.0 प्रति"ात (कुल सं0 97) हैं।

सारणी क्रमांक– 1
जनपद हरदोई : ग्रामीण विपणन केन्द्रों का प्रमुख विपणन वस्तुओं के आधार पर वर्गीकरण

प्रमुख विपणन वस्तुएं	ग्रामीण विपणन केन्द्रों की संख्या	कुल ग्रामीण विपणन केन्द्रों का प्रतिशत	संचयी संख्या	संचयी प्रतिशत
3 से कम	97	33.0	97	33.0
3–5	133	45.2	230	78.2
5 से अधिक	64	21.8	294	100.0
योग	**294**	**100.0**	–	–

हरदोई जनपद में कुल ग्रामीण विपणन केन्द्र 294 व कुल नगरीय विपणन केन्द्र 13 हैं। सारणी क्रमांक 2 में विकास खण्डवार प्रमुख विपणन वस्तुओं के आधार पर ग्रामीण एवं नगरीय विपणन केन्द्रों को वर्गीकृत किया गया है। 3 से कम प्रमुख विपणन वस्तुओं वाले वर्ग में ग्रामीण विपणन केन्द्र टड़ियावाँ एवं भरखनी विकास खण्ड में आठ–आठ हैं जबकि हरपालपुर व माधौगंज विकास खण्ड में दो–दो हैं। 3–5 प्रमुख विपणन वस्तुओं वाले वर्ग में ग्रामीण विपणन केन्द्र सर्वाधिक (14) टोडरपुर विकास खण्ड में हैं जबकि भरखनी, मल्लावाँ एवं कछौना विकास खण्ड में तीन–तीन हैं। 5 से अधिक प्रमुख विपणन वस्तुओं वाले वर्ग में ग्रामीण विपणन केन्द्र सर्वाधिक (07) हरियावां विकास खण्ड में हैं जबकि हरपालपुर, बिलग्राम, कछौना व सण्डीला विकास खण्ड में एक–एक हैं। Fig. 2 के अवलोकन से स्पष्ट दृष्टिगोचर होता है कि मध्यम वर्गीकरण (3–5 प्रमुख विपणन वस्तुएं संख्या में) सर्वाधिक विपणन केन्द्र तीन पुंजित समूहों में वितरित दिखायी पड़ते हैं प्रथम समूह उत्तरी भाग में, द्वितीय समूह मध्य–पूर्वी भाग में तथा तृतीय समूह दक्षिण–पूर्वी भाग में स्थित हैं। इस समूह के विपणन केन्द्रों का सबसे अधिक संकेन्द्रण टोडरपुर विकास खण्ड में है।

सारणी क्रमांक– 2
जनपद हरदोई : प्रमुख विपणन वस्तुओं के आधार पर वर्गीकरण

क्र. सं.	विकास खण्ड	ग्रामीण विपणन केन्द्र			नगरीय विपणन केन्द्र			विपणन केन्द्रों की संख्या
		3 से कम	3–5	5 से अधिक	5 से कम	5–7	7 से अधिक	
1	शाहाबाद	04	04	03	–	–	01	12
2	टोडरपुर	06	14	03	–	–	–	23
3	पिहानी	07	05	06	–	01	–	19
4	हरियावाँ	06	08	07	–	01	–	22
5	टड़ियावाँ	08	09	06	–	–	–	23
6	सुरसा	06	09	06	–	–	01	22
7	अहिरोरी	07	11	05	–	–	–	23
8	बावन	07	06	06	–	–	–	19
9	भरखनी	08	03	03	–	01	–	15
10	हरपालपुर	02	08	01	–	–	–	11
11	साण्डी	03	04	02	–	01	–	10
12	बिलग्राम	06	04	01	–	01	–	12
13	माधौगंज	02	04	03	01	01	–	11
14	मल्लावाँ	04	03	02	–	01	–	10
15	कछौना	03	03	01	–	01	–	08
16	कोथावाँ	03	08	02	–	01	–	14
17	भरावन	05	11	03	–	–	–	19
18	सण्डीला	03	08	01	–	–	01	13
19	बेंहदर	07	11	03	–	–	–	21
योग		**97**	**133**	**64**	**01**	**09**	**03**	**307**

अध्ययन क्षेत्र में स्थित नगरीय विपणन केन्द्रों को प्रमुख विपणन वस्तुओं के आधार पर 03 वर्गों– 5 से कम, 5–7 व 7 से अधिक में विभाजित किया गया है। 5 से कम वर्ग में एक मात्र नगरीय विपणन केन्द्र कुरसठ है जो कि माधौगंज विकास खण्ड में स्थित है। 5–7 वर्ग में सर्वाधिक (09) नगरीय विपणन केन्द्र– पिहानी, गोपामऊ, पाली, साण्डी, बिलग्राम, माधौगंज, मल्लावां, कछौना पतसेनी एवं बेनीगंज हैं। 7 से अधिक वर्ग में 03 नगरीय विपणन केन्द्र हरदोई, शाहाबाद व सण्डीला हैं जो क्रमशः सुरसा, शाहाबाद व सण्डीला विकास खण्ड में स्थित हैं।

LBP PUBLICATION

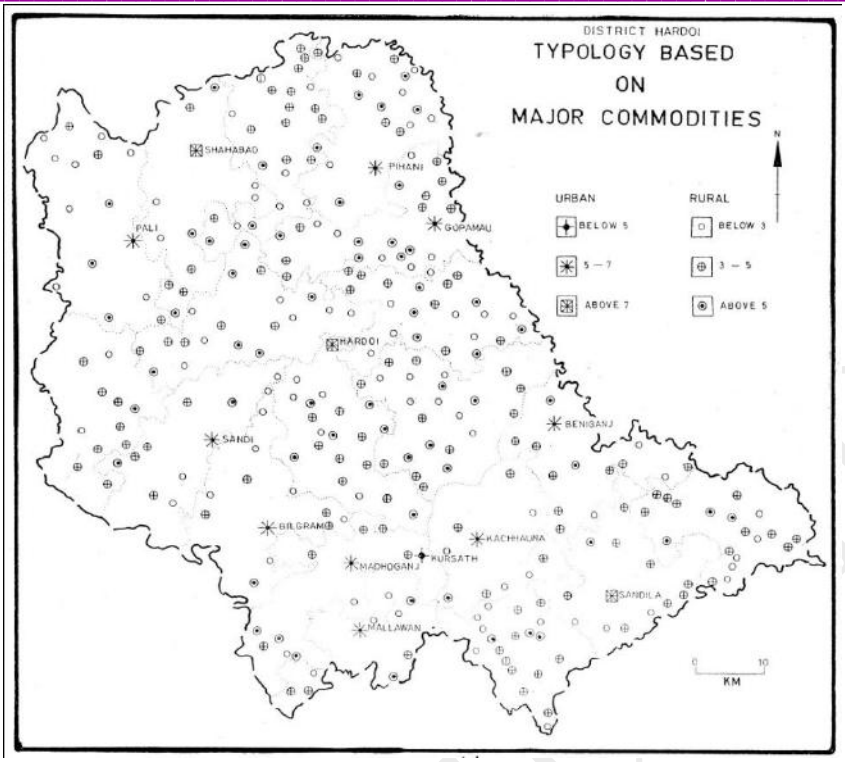

Fig. 2

इस प्रकार हरदोई जनपद में प्रमुख विपणन वस्तुओं के आधार पर विपणन केन्द्रों का विभिन्न चरों के आधार पर विश्लेषण करने पर यह स्पष्ट होता है कि जनपद के ग्रामीण विपणन केन्द्रों में 3–5 प्रमुख विपणन वस्तुओं वाले विपणन केन्द्रों की संख्या सर्वाधिक 45.2 प्रतिशत है। इसी क्रम में नगरीय विपणन केन्द्रों में 5–7 प्रमुख विपणन वस्तुओं वाले विपणन केन्द्रों को संख्या सर्वाधिक 69.23 प्रतिशत है। जनपद मुख्यतः मध्यम और लघु विपणन केन्द्रों द्वारा आच्छादित है। यद्यपि जनपद में मध्यम और बड़े आकार के विपणन केन्द्र समान रूप से वितरित हैं किन्तु जनपद का उत्तरी एवं दक्षिणी भाग तुलनात्मक रूप से बड़े आकार के विपणन केन्द्रों द्वारा आच्छादित है ऐसे विपणन केन्द्र सप्ताह के प्रत्येक दिन व्यवसाय सम्पादित करते हैं।

REFERENCES

1- Applebaum, W. 1954 : Marketing geography. In P.E. James and C.E. Johes (eds), American Geography, Inventory and Prospect, Syracuse University, pp. 245-51.

2- Smith, D.M. : Patterns in Human Geography. Penguin, p. 30.

3- Chaturvedi, A. K. 1999 : Historical and Cultural Heritage of District Hardoi, Akanksha Publications, Hardoi, p.7.

4- Town Directory C. D.2001: Uttar Pradesh, Directorate of Census Operations, Uttar Pradesh (Data Dissemination Unit), Lekhraj Dollar Building, Indira Nagar, Lucknow

5- Primary Census Abstract 2001: Uttar Pradesh, Series-10, Volume-1

डॉ. अमित कनौजिया
स.अ., बेसिक शिक्षा, जनपद– कन्नौज (उ.प्र.)

अमित सचान
एसोसिएट प्रोफेसर, भूगोल विभाग, पं.सुन्दरलाल मेमोरियल स्नातकोत्तर महाविद्यालय, कन्नौज (उ.प्र.)

LBP PUBLICATION